Digital Receipt

This receipt acknowledges that Turnitin received your paper. Below you will find the receipt information regarding your submission.

The first page of your submissions is displayed below.

Submission author:	Maninder Naro
Assignment title:	07
Submission title:	वैश्वीकरण में महिला मानवाधिकार अतीत से वर्तमान तक की यात्रा.docx
File name:	वैश्वीकरण_में_महिला_मानवाधिकार_अतीत_से_वर्तमान_तक_की_यात्रा.docx
File size:	50.18K
Page count:	9
Word count:	4,335
Character count:	22,015
Submission date:	27-Aug-2025 09:47AM (UTC-0500)
Submission ID:	2696943127

impact of globalization on human rights with special reference: to gender right

1.Manjeet Singh PhD Scholar Sociology and social anthropology Central University of Himachal Pradesh Email manjeetcuhp730@gmail.com

2. Aman kumar PhD Scholar Centre for Deen Dayal Upadhyay Studies .Central University of Himachal Pradesh Email Id amank5426@gmail.com

सार:

यह शोध सार वैश्वीकरण की प्रक्रिया में महिला मानवाधिकारों की ऐतिहासिक महिला मानवाधिकारों की ऐतिहासिक यात्रा, विकास और समकालीन चुनौतियों की आलोचनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करता है। अतीत में महिलाओं को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से हाशिए पर रखा गया, जहाँ उनकी भूमिका पारंपरिक घरेलू दायरे तक सीमित थी। धीरे-धीरे महिलाओं के अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना का उदय हुआ, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के हस्तक्षेप से महिला अधिकारों को मानवाधिकारों के दायरे में स्थान मिला।वैश्वीकरण के आगमन के साथ ही महिलाओं को नए अवसर तो मिले, जैसे शिक्षा, रोजगार और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रतिनिधित्व, लेकिन साथ ही कई नई चुनौतियाँ भी सामने आईं जैसे लैंगिक शोषण, श्रम बाजार में असमानता, चौन तस्करी, और सांस्कृतिक अस्मिता का क्षरण।इस प्रक्रिया में महिला आंदोलनों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों (जैसे CEDAW), और गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही है। आज के दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म, वैश्विक सहयोग और स्त्री सशक्तिकरण योजनाओं ने महिला मानवाधिकारों के परिदृश्य को काफी व्यापक बनाया है। यह अध्ययन निष्कर्ष करता है कि वैश्वीकरण एक द्वैध प्रक्रिया है यह जहाँ एक ओर महिलाओं को सशक्त करने के अवसर प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर नए प्रकार के लैंगिक शोषण और भेदभाव भी जन्म देता है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि वैश्वीकरण के इस युग में महिला अधिकारों की सुरक्षा और संवर्धन के लिए संवेदनशील, समावेशी और न्यायपूर्ण नीतियों को अपनाया जाए।

शोध के मुख्य बिंदु: वैश्वीकरण महिला, मानवाधिकारों, पारंपरिक, घरेलू ,शिक्षा, रोजगार ,लैंगिक, शोषण, न्यायपूर्ण

भूमिका

वैश्वीकरण ने विश्व की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचनाओं में गहन परिवर्तन लाया है। इसके प्रभाव से न केवल बाजार और तकनीक में विस्तार हुआ, बल्कि सामाजिक संस्थाओं, विशेषत: लैंगिक संबंधों और मानवाधिकारों पर भी गहरा असर पड़ा। महिला मानवाधिकारों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह विषय सामाजिक न्याय, समानता और मानव गरिमा से सीधे जुड़ा हुआ है। यह शोध-पत्र वैश्वीकरण की पृष्ठभूमि में महिला मानवाधिकारों की ऐतिहासिक यात्रा, उसकी वर्तमान स्थिति, अवसरों और चुनौतियों का समग्र विश्लेषण प्रस्तुत करता है।. महिला मानवाधिकारों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि अतीत में अधिकांश समाजों में महिलाएँ द्वितीयक स्थान पर रही हैं। भारत में मनुस्मृति जैसे ग्रंथों से लेकर पश्चिमी देशों के मध्ययुगीन कानूनों तक, महिलाओं को संपत्ति के अधिकार, शिक्षा, विवाह की स्वतंत्रता और राजनीतिक भागीदारी से वंचित रखा गया।19वीं और 20वीं शताब्दी में जब औपनिवेशिक शोषण और औद्योगिक क्रांतियाँ चरम पर थीं, तब महिला अधिकार आंदोलनों ने जन्म लिया। पहली लहर नारीवाद (First Wave Feminism) के दौरान महिलाओं ने मताधिकार, शिक्षा और संपत्ति के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।1948 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा "मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा" (UDHR) ने महिला अधिकारों को मानवाधिकारों के अंतर्गत स्वीकार किया। इसके पश्चात 1979 में CEDAW (Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women) जैसे महत्त्वपूर्ण दस्तावेज आए, जिसने महिला मानवाधिकारों को वैश्विक मंच पर मजबूती दी।वैश्वीकरण और उसका स्वरूप वैश्वीकरण का सामान्य अर्थ है – पूंजी, वस्तु, सूचना और मानव संसाधनों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुक्त प्रवाह। यह प्रक्रिया 1990 के दशक के बाद तीव्र गति से फैली, जब बहुराष्ट्रीय कंपनियों, विश्व व्यापार संगठन (WTO), अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं ने भूमंडलीकृत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया। इस संदर्भ में वैश्वीकरण

Copyright 2025 Turnitin. All rights reserved.